DON BOSCO SCHOOL, KOKAR, RANCHI

Session 2020-21

Class – VIII

Subject – Hindi 2 (सृष्टि) Subject Teacher – Karuna Toppo

पाठ – 1 यह है भारत देश हमारा (सुब्रह्मण्यम भारती)

अभ्यास

मौखिक

1. धरती पर किसका जोड़ नहीं है ?
   उ.–इस धरती पर हिमालय का जोड़ नहीं है इसलिए कवि ने हिमालय को पर्वतों का राजा माना है। इसे संसार में बेजोड़ माना गया है।
2. हमारी धरती पर अनेक महारथी हुए। आप पाँच महारथियों के नाम बताइए।
   उ.–हमारी धरती पर अनेक महारथी हुए जैसे कर्ण, शिवाजी, महाराणा प्रताप, अर्जुन।
3. 'बहती है क्या कहीं और भी ऐसी पावन कल–कल धारा' पंक्ति से गंगा की किस विशेषता का पता चलता है ?
   उ.–इस पंक्ति से गंगा की इस विशेषता का पता चलता है कि यह पवित्र नदी है।
4. इस कविता में किसकी करूणा का उल्लेख हुआ है ?
   उ.–इस कविता में बुद्धदेव की करूणा का उल्लेख हुआ है।

क) लघु उत्तरीय प्रश्न –

1. सुब्रह्मण्यम भारती किस भाषा के कवि थे ?
   उ.–सुब्रह्मण्यम भारती तमिल भाषा के कवि थे।
2. भारत किसे देखकर भयभीत नहीं होगा ?
   उ.–भारत मुसीबतों, दुश्मनों और विपरीत परिस्थितियों को देखकर भयभीत नहीं होगा।
3. भारतमाता हमें क्या देती है ?
   उ.–भारतमाता हमें मिसरी, मधु, मेवा, फल, कदली, चावल और तरह–तरह के अन्न देती है।

ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. कविता के आधार पर भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।
   उ.–भारत का प्राकृतिक सौंदर्य अनुपम है। इसके उत्तर में पर्वतों का राजा हिमालय है। दुनिया में इसके समान दूसरा पर्वत नहीं है। इस धरती पर गंगा की पावन धारा बहती है। भारतभूमि हमें शहद, मेवे तथा सही फल प्रदान करती है। इस भूमि पर केला, चावल तथा विभिन्न प्रकार के अन्न उपजते हैं। इसका गोधन हमें अमृत–जैसा दूध देता है।

2. 'पूर्ण ज्ञान का शुभ्र निकेतन' का भाव स्पष्ट कीजिए।
   उ.–पूर्ण ज्ञान का शुभ निकेतन। पंक्ति द्वारा कवि ने यह स्पष्ट किया है कि भारत देश महान है। इस देश की पावन भूमि में जन्म लेकर कोई भी अज्ञानी नहीं रहता। यह देश हर क्षेत्र में आगे है। इस प्रकार यह देश ज्ञान का भंडार है। भारत भूमि सदा से ही ज्ञान का आधार रही है।

3. हिमालय को संसार में बेजोड़ क्यों बताया गया है? क्या आज भी हिमालय हमारा प्रहरी है ?
   उ.–हिमालय को भारत का प्रहरी मानते है। इस कविता में हिमालय को संसार में बेजोड़ बताया गया है। यह भारत के उत्तर में स्थित है तथा अपनी ऊँचाई के कारण यह शत्रुओं से हमारी रक्षा करता है। यह भारत माता के मस्तक को सुशोभित करता है।

ग) निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए –

1. यह है देश जहाँ नारद के, गूँजे मधुमय गान कभी थे, यह है देश जहाँ पर बनते, सर्वोत्तम सामान सभी थे।
   उ.–कवि ने इस पंक्ति में भारत देश की विभिन्न विशेषताओं को बताने के लिए किया है। कवि का कहना है कि यह वही देश है जहाँ अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया और अनेक ऋषियों ने तप किया। इस धरती पर

नारद के शहद के समान मीठे गीत गूँजे तथा यहाँ सभी प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन होता था। यह देश हर क्षेत्र में आगे है।

2. सम्मानित जो सकल विश्व में, महिमा जिनकी बहुत रही है, अमर ग्रंथ वे सभी हमारे, उपनिषदों का देश यही है।

उ.–इस पंक्ति में कवि ने कहा है कि हमारा भारत विश्वभर में सम्मानित है। इसकी महिमा का सदा वर्णन हुआ है।

यहाँ अनेक ग्रंथों तथा उपनिषदों की रचना हुई थी।

हमारे ग्रंथों में देश की सभ्यता और संस्कृति की झलक तथा दार्शनिक विचारों का समावेश है जिस कारण वे संपूर्ण विश्व में आदर पाते हैं।

भाषा की बात

क) गान – मान

उ. – निकेतन – चेतन

यही – वहीं

हाथ – साथ

ख) दिए गए निरर्थक शब्दों में से किन्हीं पाँच का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. साँय–साँय – कमरे में साँय–साँय की आवाज आ रही थी।
2. टन–टन – मंदिर में टन–टन घंटी बजने लगी।
3. खाना–वान – अपने खाना–वान खा लिया।
4. छम–छम – वह नर्तकी छम–छम नाचती हुई आई।
5. कल–कल – नदी की कल–कल धारा सुनाई दे रही थी।

ग) नीचे लिखे शब्दों का संधि–विच्छेद कीजिए –

अनाथालय = अनाथ + आलय।

छात्रालय = छात्र + आलय।

अधिकाधिक = अधिक + अधिक।

शुभारंभ = शुभ + आरंभ।

कवींद्र = कवि + इंद्र।

परीक्षा = पर + इच्छा।

प्रश्नोत्तर = प्रश्न + उत्तर।

सूक्ति = सु + उक्ति।

घ) निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची शब्द लिखिए –

नदी – सरिता।

निकेतन – घर।

धरती – वसुंधरा।

कदली – केला।

गान – गीत।

चेतन – होश।

ङ) निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए –

महान – महानता।

भव्य – भव्यता।

क्षुद्र – क्षुद्रता।

करूण – करूणा।

विविध – विविधता।
मानव – मानवता।

च) निम्नलिखित पंक्तियों की क्रियाओं को कोष्ठक में दिए कालों में बदलिए –

1. कदली, चावल, अन्न विविध अरु क्षीर सुधमय लुटा रही है। (भूतकाल)

उ.– कदली, चावल, अन्न विविध अरुक्षीर सुधामय लुटा रही थी।

2. उन्हें देखकर भयभीत न होंगे। (वर्तमान काल)

उ.– उन्हें देखकर भयभीत नहीं होते हैं।

3. यह है देश जहाँ नारद के गूँजे मधुमय गान कभी थे। (भविष्यत काल)

उ.– यह है देश जहाँ नारद के मधुमय गीत कभी गूँजेंगे।

छ) नीचे दिए गए शब्दों से उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए –

	उपसर्ग		मूलशब्द		प्रत्यय
सफलता	= स	+	फल	+	ता
प्रोत्साहित	= प्र	+	उत्साह	+	इत
विस्मरणीय	= वि	+	स्मरण	+	ईय
बेईमानी	= बे	+	ईमान	+	ई

पाठ – 2 साइकिल की सवारी (सुदर्शन)

अभ्यास

मौखिक

1. लेखक किन दो विद्याओं के बारे में बातें करता है ?

उ. – साइकिल की सवारी और हारमोनियम बजाना ये ही दो विद्याएँ हैं।

2. लेखक ने क्या चलाना सीखने की इच्छा की और कब ?

उ. – लेखक ने 1942 में साइकिल चलाने की इच्छा प्रकट की।

3. लेखक के मन में लज्जा और घृणा के भाव कब उठे ?

उ.– जब किसी को हारमोनियम बजाते या साइकिल चलाते देखते हैं तो।

4. पहले दिन सभी लोग लेखक को देखकर क्यों हँस रहे थे ?

उ.– लेखक ने पाजामा और अचकन उलटे पहन लिए थे। इसलिए सभी लोग लेखक को देखकर हँस रहे थे।

5. साइकिल चलाना सीख लेने पर लेखक क्या सपने देखने लगा ?

उ.– साइकिल सीख जाने पर एक प्रशिक्षण विद्यालय खोल लेंगे, तब तीन–चार सौ मासिक कमाने लगेंगे।

क) लघु उत्तरीय प्रश्न –

1. लेखक ने मरहम के कितने डिब्बे खरीदे और किसलिए ?

उ.– लेखक ने एक मरहम का डिब्बा खरीदा। अगर साइकिल से गिरकर चोट लगे तो तुरंत उपचार कर सकें।

2. उस्ताद ने लेखक से कितनी फीस ली ?

उ.– उस्ताद ने लेखक से बीस रुपए फीस ली।

3. लेखक साइकिल सीखते समय फटे–पुराने कपड़े क्यों पहनना चाहता था ?

उ.– लेखक इसलिए फटे पुराने कपड़े पहनना चाहते थे कि अगर गिर गए तो नए कपड़े फटकर खराब हो जाएँगे। लेखक अपने आप को ज्यादा होशियार साबित करना चाहते थे।

ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. लेखक जब पहली बार साइकिल सीखने के लिए निकले तब क्या–क्या हुआ ?

उ.– लेखक पहली बार अपने घर से निकले ही थे कि बिल्ली रास्ता काट गई और एक लड़के ने छींक दिया। क्या कहें हमें कितना क्रोध आया उस नामुराद बिल्ली पर और शैतान लड़के पर। मगर क्या करते ? दाँत पीसकर रह गए। एक बार फिर भगवान का पावन नाम लिया और आगे बढ़े। पर बाजार में पहुँचकर देखा कि हर आदमी, जो हमारी तरफ देखता है, मुसकराता है। अब हम हैरान थे कि बात क्या है। सहसा हमने देखा कि हमने जल्दी और घबराहट में पजामा और अचकन दोनों उलटे पहन लिए हैं। और लोग इसी पर

हँस रहे हैं। सिर मुँडाते ही ओले पड़ें। हमने उस्ताद से माफी माँगी और घर लौट आए। हमारा पहला दिन मुफ्त में गया।

2. लेखक ने साइकिल कहाँ और क्यों सीखने का निश्चय किया ?

उ.– लेखक ने साइकिल सीखने के लिए कहा ''उस्ताद, हम शहर के पास नहीं सीखेंगे, लारेंस बाग में जो मैदान है वहाँ सीखेंगे। वहाँ एक तो भूमि नरम है, चोट कम लगेगी। दूसरा वहाँ कोई देखेगा नहीं।''

3. साइकिल सीखने का पहला और दूसरा दिन व्यर्थ क्यों बीता तथा लेखक ने कितने दिनों में साइकिल चलाना सीख लिया ?

उ.– लेखक का पहला दिन अपशमुन के कारण व्यर्थ गया और दूसरे दिन फिर निकले। रास्ते में उस्ताद साहब बोले, ''मैं एक गिलास लस्सी पी लूँ। आप जरा साइकिल को संभाले रखिए। लेखक ने साइकिल के पूरजों का ऑपरेशन शुरु किया और साइकिल उनके शरीर पर गिर पड़ी। बाजार के लोग जमा हो गए और किसी तरह लेखक का पैर साइकिल से निकला। चलाना सीख गए थे।

4. लेखक के झूठ की पोल कैसे खुल गई ?

उ.– लेखक बिस्तर पर घायल अवस्था में पड़े थे। उन्होंने सोचा सारा इल्जाम तिवारी पर लगा दे। परंतु उनकी पत्नी ने कहा ''जिस ताँगे से आपको टक्कर लगी थी उस पर मैं ही सवार थी। मैं बच्चों को घुमाने ले गई थी और आपको साइकिल चलाते ही देख लूँगी। इस प्रकार झूठ की पोल खुली।

ग) 1. लेखक क्या बनना चाहते थे ?

उ. – साइकिल सवार।

2. लेखक ने कहाँ जाने का निश्चय किया ?

उ. – जहाँगीर का मकबरा।

3. लेखक ने साइकिल सीखने के क्या बहाने बताए ?

उ. – ताँगे का खर्च।

भाषा की बात

क) दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए –

1. सहसा – अचानक
2. वीर – बहादुर ?
3. जवाब – उत्तर
4. शर्म – लज्जा
5. शकुन – तसल्ली
6. प्राण – जान
7. निश्चय – दृढ़
8. घर – निकेतन

ख) दिए गए शब्दों का वाक्य प्रयोग द्वारा अर्थ भेद स्पष्ट कीजिए –

1. वतावरण, पर्यावरण
   वातावरण – हमें शुद्ध वातावरण में रहना चाहिए।
   पर्यावरण – पेड़–पौधे कटने से पर्यावरण की समस्या बढ़ गई है।
2. शस्त्र , अस्त्र
   शस्त्र – पांडव शस्त्र चलाने में प्रवीण थे।
   अस्त्र – उन्होंने आग्नेय अस्त्र शत्रु सेना पर फेंके।
3. समय, अवधि
   समय – इस काम में दो घंटे का समय लगेगा।
   अवधि – इस काम को करने की अवधि 3 घंटे है।

4. आयु , अवस्था
   आयु – इस बालक की आयु तीन वर्ष है।
   अवस्था – मरीज़ की अवस्था ठीक नहीं है।
5. निरक्षर, अशिक्षित
   निरक्षर – यह निरक्षर है इसे पढ़ाना कठिन है।
   अशिक्षित – आज भी देश में बहुत लोग अशिक्षित हैं।
6. पुराना, प्राचीन
   पुराना – हमारी सभ्यता बहुत पुरानी है।
   प्राचीन – प्राचीन काल में अतिथि को देवता मानते थे।

ग) सही जोड़े बनाइए –

सुहाना – मौसम
करुणा – स्वर
आधी – रात
शैतान – लड़का
वीर – योद्धा

घ) इन मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए –

1. बेल मेंड़ न चढ़ना – काम से सफलता न मिलना।
   लाख कोशिश कर लो यह बेल मेंड़ न चढ़ सकेगी।
2. सिर मुंडाते बोले पड़ना – आरंभ से ही संकट आना।
   विवाह करते ही तीन साल में चार बेटियाँ हो गई। इसे कहते हैं सिर मुंडाते ही बोले पड़ना।
3. कानों–कान खबर न होना – किसी को पता न चल पाना।
   आतंकवादी धीरे–धीरे गाँव में आ गए, किसी को कानों कान खबर न हुई।
4. दिल पसीजना – दया आना।
   गरीब की दयनीय दशा देखकर मेरा दिल पसीज गया।
5. रंग में भंग पड़ना – खुशी में बाधा पड़ना।
   अचानक वर्षा होने से रंग में भंग पड़गया।

ङ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द–युग्म बनाइए –

फिसलते – रपटते
दौड़ते – आगते
हँसी – खुशी
रोकना – टोकना
पास – पड़ोस
उछल – कूद

च) उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए –

हैरान + ई = हैरानी
बेबस + ई = बेबसी
तलाश + ई = तलाशी
सवार + ई = सवारी
संसार + इक = सांसारिक
समाज + इक = समाजिक
प्रयोग + इक = प्रयोगिक
मास + इक = मासिक

छ) रिक्त स्थानों में उचित क्रियाविशेषण शब्द भरिए –

1. हमने धीरे से मुसकराकर श्रीमती जी की तरफ देखा वे हमें आश्चर्य से देख रही थी। हमने कहा, ''नाराज न हो, हम ये कपड़े धीरे से ढूँढ़कर लाए हैं।''
2. हम साइकिल चलाना सीख लेंगे तो लोग आश्चर्य से हमारी ओर देखेंगे और हम धीरे से उनके सामने से निकल जाएँगे।

पाठ – 3 विवेक की सूझबूझ

अभ्यास

मौखिक

1. 'लाइव टेलीकास्ट' का क्या अर्थ है ?

उ.– जो कुछ भी घट रहा है उसे उसी समय दूर–दर्शन पर दिखाना यानी घटना स्थल से सीधा प्रसारण करना ही लाइव टेलीकास्ट कहलाता है।

2. विवके के नाना–नानी कहाँ रहते है ?

उ.– विवके के नाना–नानी कोलकाता में रहते हैं।

3. 'नेटवर्क' और 'बेवसाइट' से आप क्या समझते है ?

उ.– नेटवर्क का अर्थ है सूचना का प्रसारण यानी सूचना जाना। बेबसाइट का अर्थ है – इंटरनेट के माध्यम से किसी भी चीज की संपूर्ण जानकारी प्राप्त करना।

4. विवके ने किस सूझ–बूझ से काम लिया ?

उ.– विवके ने तुरंत ईमेल टाइप किया और बताया कि पुलिसवाले को फोन करके आप बताइए कि मेरे घर में चोर घूस आए हैं।

क) लघु उत्तरीय प्रश्न –

1. इस कहानी का मुख्य नायक कौन है ?

उ.– इस कहानी का मुख्य नायक विवके है।

2. घर के सब लोग कहाँ गए थे और विवके क्यों नहीं गया ?

उ.– घर के सभी लोग विवके के मामा की शादी में कोलकाता गए थे। विवके की वार्षिक परीक्षा शुरु होने वाली थी। इसलिए विवके नहीं गया।

3. विवके के छोटे भाई का नाम क्या था ?

उ.– विवेक के छोटे भाई का नाम अंश था।

ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

1. घरवालों के जाने के बाद विवेक के घर में कौन–सी अनहोनी घटना घटी ?

उ.– घरवालों के जाने के बाद विवेक के घर में रात को चोर घुस आए और विवेक ने ईमेल टाइप करके इस घटना की सूचना पुलिसवाले को दे दी।

2. विवेक की नींद खुली तो उसने क्या देखा ?

उ.– विवेक की नींद खुली तो उसने देखा कि पास वाले कमरे में कुछ लोग घुस आए हैं और अलमारी खोलने की कोशिश कर रहे हैं। उसके बाद विवेक ने अपनी सूझबूझ से काम लिया।

3. इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

उ.– इस कहानी से सीख मिलती है कि अपनी सूझबूझ से काम लेना चाहिए। वैज्ञानिक तकनीकी का भरपूर फ़ायदा लेकर जीवन सुलभ बनाना चाहिए। मुसीबत में घबराना नहीं चाहिए तथा चोरों को पकड़वाकर उन्हें सबक सीखाना चाहिए ताकि औरों के घर में दोबारा चोरी करने की कोशिश न करें।

भाषा की बात

क) पाठ में से व्यक्तिवाचक संज्ञा के शब्द छाँटकर लिखिए –
उ. – विवेक, अंश, कोलकाता, टी० वी०।

ख) इसी प्रकार के क्रिया पदो के पाँच–पाँच उदाहरण दीजिए –
एक क्रिया पद – उसे याद है, देख रहे थे, देते हुए कहा, दिखाई पड़ने लगा, फेरते हुए कहा।
दो क्रिया पद – चोर घूस आए है। नींद खुल गई।
तीन क्रिया पद – आकर बैठ गया, देख रहे थे, कोशिश कर रहे हैं। पढ़ लिया था।

ग) समश्रुति भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखिए –
चीर – वस्त्र
अन्न – अनाज
दिन – दिवस
श्याम – साँवला
बहर – घर के बाहर
चिर – पुराना
अन्य – दूसरा
दीन – गरीब
शाम – साँझ संध्या
बहार – खुशी

घ) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए –
ज्ञान – अज्ञान
नीति – अनीति
वाद – विवाद
क्रम – विक्रम
मान – सम्मान
हिंसा – अहिंसा

ङ) अब आप पाँच नुक्त वाले शब्द लिखिए –
उ. – अंग्रेज़ी , फ़रिश्ता , आवाज़ , फ़िजूल , ज़मींदार।
च) नीचे दिए गए शब्दों में से स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग के रूप छाँटकर लिखिए –

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
कैमरा, पुलिस	खिड़की, होशियारी
दृश्य, संवाददता	

छ) निम्नलिखित विशेषण शब्दों का विशेष्य से मिलान कीजिए –
1. विवेक – बुद्धिमान
2. पुलिस – सतर्क
3. आवाज – धीमी
4. बच्चे – शरारती

Assignments

1. अभ्यास पुस्तिका के पाठ – 1 , 2, 3 के अभ्यास कार्य करें।

****